For BCom DI (S/G) Date 06-05-2020

Sub:- Bus Eco. & Environment (01)

EXTRA LESSON

Question :- सन 1991 में औद्योगिक नीति की प्रमुख विशेषताओं की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

Ans :-

नई आर्थिक नीति- उदारीकरण, निजीकरण व विश्वव्यापीकरण की उपलब्धियाँ

(NEW ECONOMIC POLICY - ACHIEVEMENTS OF LIBERALISATION PRIVATISATION AND GLOBALISATION)

नई आर्थिक नीति की प्रमुख उपलब्धियों को निम्न आधार पर समझा जा सकता है:-

(1.) राष्ट्रीय आय में वृद्धि :- नई आर्थिक नीति लागू होने के पहले अर्थात 1990-91 में राष्ट्रीय आय वृद्धि दर 5.4% थी लेकिन नई आर्थिक नीति लागू होने के बाद इसकी प्रवृति में काफी उच्चावचन रहा है। वर्ष 2010-11 में राष्ट्रीय आय में वृद्धि दर 8.4% अनुमानित की गई है।

(2.) कृषि उत्पादन :- सन 1990-91 में कृषि उत्पादन की वृद्धि दर 3% तथा खाद्यान्न की वृद्धि दर 3.2% थी। नई आर्थिक नीति के लागू होने के प्रथम वर्ष अर्थात 1991-92 में यह वृद्धि दर कम होकर क्रमशः (-) 1.9 प्रतिशत तथा (-) 4.5 प्रतिशत हो गई अर्थात कृषि उत्पादन में 1.9 प्रतिशत की तथा खाद्यान्न के उत्पादन में 4.5 प्रतिशत की कमी हुई। कृषि क्षेत्र के औसत विकास दर 2007-08 में 5.8%, 2008-09 में (-) 0.1%, 2009-10 में 0.4% तथा वर्ष 2010-11 में 7% अनुमानित की गई है, 11 वीं योजना की लक्षित वार्षिक औसत 4% की दर प्राप्त करने के लिए 2011-12 में 8.5% की वृद्धि दर प्राप्त करने की आवश्यकता थी, किन्तु यह दर 3% ही अनुमानित की गई है।

(3.) औद्योगिक उत्पादन :- भारत में नयी आर्थिक नीति अपनायी जाने का उद्देश्य उदारवादी नीति, उद्योगों का निजीकरण व विश्वव्यापीकरण के द्वारा औद्योगिक औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि करना है इसलिए 8 वीं योजना काल में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 7.5% निर्धारित की गई थी/वर्ष 2001-02 में औद्योगिक विकास दर 2.7% रही, जो पिछले 9 वर्षों में न्यूनतम थी, जबकि जो वर्ष 2010-11 में 8.2% हो गई। 2009-10 के लिए यह वृद्धि दर (P.T.O.)

5.3% आंकलित की गई थी, जो वर्ष 2011-12 में 2.9% हो गयी।

(2) **कीमत स्तर** :- नई आर्थिक नीति 1991 लागू होने के बाद कीमत स्तर में भारी वृद्धि अनुभव की गई है। 1990-91 में कीमत स्तर की वार्षिक वृद्धि दर 12% थी जो आर्थिक उदारीकरण नीति के बाद एक अंकीय हो गई। [illegible] वर्ष 2011-12 के अंतिम सप्ताह में देश में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर जो 6.89% रही है वहीं उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर यह 9.47% दर्ज की गयी है।

(3) **विदेशी व्यापार** :- नई आर्थिक नीति लागू होने के बाद देश का विदेशी व्यापार बढ़ रहा है। [illegible] में भारत विश्व के सभी देशों के साथ विदेशी व्यापार कर रहा है। वर्ष 2011-12 के दौरान हमारे कुल आयात और निर्यात व्यापार क्रमशः 499.5 अरब डॉलर व 310 अरब डॉलर थे।

(4) **विदेशी विनिमय मुद्रा कोष** :- नयी आर्थिक नीति न विदेशी विनिमय मुद्रा कोष पर अनुकूल प्रभाव पड़ा है। 1991 में जहाँ भारत का विदेशी मुद्रा कोष [illegible] नगण्य था, वह बाद के वर्षों में तेजी से बढ़कर रिकॉर्ड स्तर तक पहुँच गया। 30 मार्च, 2012 को हमारा विदेशी मुद्रा कोष 294.4 अरब डॉलर था।

(5) **विदेशी प्रत्यक्ष निवेश** :- आर्थिक नीति के उदारवादी दृष्टिकोण के कारण भारत के विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में काफी वृद्धि हुई है। 1991 से सितम्बर 2006 तक देश में रु 1,81,566 करोड़ का कुल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश किया गया है परन्तु, विदेशी प्रत्यक्ष विनियोग का अधिकांश भाग गैर-प्राथमिक क्षेत्र में गया है। वर्ष 2007-08 (अप्रैल-सितम्बर) में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 11.3 अरब डॉलर होने का अनुमान है। वर्ष 2010-11 में शुद्ध निवेश का अन्तर्प्रवाह 39.7 अरब डॉलर का था।

(6) **राजकोषीय घाटा** :- भारत में राजकोषीय नीति का उद्देश्य राजकोषीय घाटा कम करना था। सरकार का लक्ष्य इसे कम करके GDP का 3 प्रतिशत करना था। वित्तीय वर्ष 2013-14 के लिए प्रस्तुत किए केन्द्र सरकार के आम बजट में रु 5,13,590 करोड़ के राजकोषीय घाटे का अनुमान लगाया गया है जो जी० डी० पी० 4.8% है।

(P.T.O.)

Scanned with CamScanner

B.Com. P-I (S/G) Date 06-05-2020

Sub:- Bus Eco. & Environment

(9.) **बेरोजगारी में वृद्धि** :- आर्थिक नीति के कारण भारत में बेरोजगारी में वृद्धि हुई है। नई आर्थिक नीति में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के निवेश को बहुत महत्व दिया गया है परन्तु ये कम्पनियाँ पूंजी-प्रधान तकनीक का प्रयोग करती है, जिससे अतिरिक्त रोजगार सृजन नहीं हो पाता। फलत: वर्तमान में बेरोजगारी की दर लगभग 8% है।

(10.) **निर्धनता उन्मूलन में असफलता** :- नई आर्थिक नीति निर्धनता उन्मूलन के सम्बन्ध में पूर्णतया असफल रही है। इसका मुख्य कारण यह है कि -

(i) निर्धन वर्ग के लाभ की योजनाओं पर किये जाने वाले सार्वजनिक व्यय में कमी की गयी है।

(ii) भोजन तथा कृषि पदार्थों पर दी जाने वाली वास्तविक सब्सिडी को कम किया है।

निष्कर्ष :- उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट है कि नई आर्थिक नीति अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में बहुत सफल नहीं रही है।

—— The End

By Dr. S.K. Sharma, Dept. of Commerce
R.N.C. Pandaul.

Scanned with CamScanner